भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 173*
(11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

***173. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:**

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर में ग्रामीण सड़क संपर्क में और सुधार के लिए विशिष्ट योजनाओं और किन्हीं नई या लंबित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा ग्रामीण आबादी के निरंतर आर्थिक विकास और उसके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए महाराष्ट्र में ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने हेतु की गई अतिरिक्त पहल का ब्यौरा क्या है;

(ग) महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में उक्त योजना के तहत लंबित योजनाओं को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(घ) इस संबंध में अब तक आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
ग्रामीण विकास मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

लोक सभा में दिनांक 11.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या 173* के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): भारत सरकार महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले सहित ग्रामीण सड़क संपर्क में सुधार हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) का कार्यान्वयन कर रही है। योजना की शुरूआत से , महाराष्ट्र राज्य में पीएमजीएसवाई के विभिन्न कार्यकलापों/घटकों के अंतर्गत 15,213 करोड़ रुपये मूल्य की 34,567 किलोमीटर लंबाई के कुल 7074 सड़क कार्य और 1120 लंबे पुल (एलएसबी) स्वीकृत किए गए हैं , जिनमें से 5 मार्च, 2025 तक 12,645 करोड़ रुपये (राज्य अंश सहित) की लागत से 30,955 किलोमीटर लंबाई के 6442 सड़क कार्य और 880 लंबे पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। योजना की शुरूआत से , छत्रपति संभाजीनगर जिले में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत 892 किलोमीटर लंबाई के 203 सड़क कार्य और 48 एलएसबी का निर्माण कर लिया गया है।

भारत सरकार ने हाल ही में सितंबर 2024 में पीएमजीएसवाई के चरण I V का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य जनगणना 2011 के अनुसार मैदानी इलाकों में 500+, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों , विशेष श्रेणी के क्षेत्रों (आदिवासी अनुसूची V, आकांक्षी जिले/ब्लॉक, रेगिस्तानी क्षेत्र) में 250+ और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों में 100+ आबादी वाली 25,000 संपर्कविहीन बसावटों को बारहमासी संपर्कता प्रदान करना है। पीएमजीएसवाई-I V के पूरा होने की समय-सीमा मार्च 2029 है। मंत्रालय राज्य सरकारों के साथ घनिष्ठ समन्वय कर रहा है तथा योजना के अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है।

(ग) छत्रपति संभाजीनगर जिले में पीएमजीएसवाई-I और II के अंतर्गत सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। पीएमजीएसवाई-III में 192 किलोमीटर लंबाई की 27 सड़कें और 15 पुल स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 138 किलोमीटर लंबाई की 17 सड़कें पूरी हो चुकी हैं। केवल 52 किलोमीटर लंबाई की 10 सड़कें और 15 पुल ही पूर्ण होने के विभिन्न चरणों में हैं। पीएमजीएसवाई- III के पूर्ण होने की समयसीमा मार्च 2025 है।

(घ) पीएमजीएसवाई के अंतर्गत केंद्रीय निधि समग्र रूप से राज्य सरकार को जारी की जाती है। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा जिला और उप-जिला स्तर पर निधि जारी की जाती है। पीएमजीएसवाई के कार्यान्वयन के लिए राज्य को निधि राज्य से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर जारी की जाती है और यह अन्य बातों के साथ-साथ , वर्तमान कार्यों, राज्य की निष्पादन क्षमता और राज्य के पास उपलब्ध अप्रयुक्त निधि पर निर्भर करता है। पीएमजीएसवाई के अंतर्गत , योजना की शुरुआत से महाराष्ट्र राज्य को 9,465.93 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि जारी की गई है।

*****